डायमंड कॉमिक्स

Rs. 3.00

भाग 01

पिंकी और खिलौना



खिलौना


दादाजी! मुझे एक खिलौना खरीदना है.
अपने पापा से पैसे मांगो.
अनुपम अग्रवाल
उन्होंने मुझे पांच रुपए का नोट दिया है.
फिर समस्या क्या है?


दुकानदार खिलौना पांच रुपए और एक पैसे का देता है.-एक पैसे का सवाल है.


मुझे तो अभी पेंशन नहीं मिली. तुम जाकर अपना मम्मी से मांग लो.


ठीक है.


मम्मी! एक पैसा चाहिए.


पिंकी! एक पैसा तो नहीं है. यह रुपया ले लो.
समस्या नहीं रहेगी.
कैसे ?
दुकानदार बाकी निन्यानवे पैसे देने को तैयार नहीं होगा.


भरटजी गुल्लक में रेजगारी जोड़ते हैं. उनके पास एक पैसे का सिक्का जरूर मिल जाएगा.


गुल्लक में तो हर तरह के सिक्के होंगे.


झपटजी!
क्या है?
सुना है, आपके पास एक सुंदर गुल्लक है?
हां, यह देखो.
क्या इसमें से मुझे एक पैसा निकाल दोगे?


नहीं! इसके लिए गुल्लक को तोड़ना पड़ेगा.
तो तोड़ दो.
क्या एक पैसे के सिक्के के लिए मैं अपनी दस रुपए की गुल्लक तोड़ दूं? भाग जाओ!
वह तो नाराज हो गए. मैं पैसा किसी और से ले लूंगी.


TOYS
मुझे यह खिलौना चाहिए.
जेब में दाम हैं?
हां, यह देखो, एक पैसा.
एक पैसे में खिलौना लेने चले हैं जनाब. रफूचक्कर हो जाओ यहां से. यह खिलौना पांच रुपए और एक पैसे का है.


चिक्की! तुम्हारे हाथ में एक पैसा?
पिंकी! तुम्हारे पास पांच का नोट?
पिंकी! जरा अपना पांच का नोट दिखाना?
किस लिए?
जरा दिखाओ तो सही.


यह लो.
चिक्की ! नोट लेकर कहां जा रहे हो ?
दुकानदार से खिलौना खरीदने.


अखबार
दादाजी! आप कुछ परेशान नजर आ रहे हैं?
हॉकर आज मेरा अखबार नहीं फैंक कर गया!


तो इसमें परेशान होने की क्या बात है?
तुम नहीं जानती पिंकी! अगर सुबह अखबार न मिले तो मुझे बड़ी बेचैनी होती है।
लगता है, मेरी दिनचर्या में से कुछ खो गया है। जिस दिन अखबार न मिले, ठीक से खाना भी हजम नहीं होता।


दादा जी! क्या अखबार और कहीं से नहीं मिल सकता?
मिल सकता है बाजार से!
पिंकी! यह लो पैसे। अगर तू बाजार से मुझे अखबार ला देगी तो मैं तुझे यह टॉफी दूंगा!
अभी लाई!


दादा जी, यह रहा अखबार!
शाबाश! यह रही टॉफी!


पिंकी! बाजार तो दूर है, परन्तु अखबार लेकर इतनी जल्दी कैसे आ गई?
रद्दी वाला पास ही मिल गया था!
क्या? दो महीने पुराना अखबार!

पिंकी का गुलदस्ता



कोई देख नही रहा. क्यो न मै एक फूल तोड़ लूं ?
चोरी करते हो ? खबरदार ! अगर तुमने फूल तोड़ा तो मैं तुम्हारा सिर तोड़ दूंगी.
© PRAN'S FEATURES


डीमरा अंकल! वह आवारा लड़का तुम्हारे लॉन में से फूल तोड़ना चाहता था. मैंने उसे डांट कर भगा दिया
पिंकी! तुम नहीं जानतीं, कि मेरा फूल बचाकर तुमने मुझ पर कितना बड़ा एहसान किया है. एक-एक फूल मेरे लिए बहुमूल्य है.
मैंने इन्हें खाद, पानी और कड़ी मेहनत से उगाया है.


पिंकी! मैं नहीं जानता कि तुम्हारे एहसान का बदला चुका पाऊंगा भी या नहीं? मैं तुम्हारे उपकार से दब गया हूं.
अंकल! अगर तुम चाहो तो एहसान का बदला अभी चुका सकते हो
तुम मुझ पर एक एहसान कर दो. हिसाब बराबर हो जायेगा.
बोलो, तुम्हें क्या चाहिए? मैं वही दूंगा.
आज हमारी क्लास टीचर का जन्म-दिन है. मैं उन्हें एक गुलदस्ता भेंट करना चाहती हूं. अपने लॉन से मुझे कुछ फूल तोड़ने दो.
क्या???


इस से तो वह आवारा लड़का एक फूल तोड़ कर ले जाता तो बेहतर था !
ढींगरा अंकल के फूल सचमुच बड़े रंगबिरंगे और खुशबूदार हैं.
हमारी टीचर जी इस गुलदस्ते को देखकर खुश हो जायेगी.


भभभभ!!
?
तुम्हारे हाथ के फूलों ने इस मधुमक्खी को आकर्षित किया है गुलदस्ते को फेंक दो।
भभभ
नहीं! यह गुलदस्ता मैंने टीचर जी को भेंट करना है.
बड़ी मुश्किल से फूल मिले हैं. इन्हें कैसे खो दूं?
शायद पानी में डुबकी मारकर मैं मधुमक्खी को चकमा दे सकूं.
भभभभ!!


मममम!!
मधुमक्खी को बेवकूफ बनाने में मैं कामयाब रही वह चली गई
मैडम! हैपी बर्थडे टू यू! यह गुलदस्ता कबूल कीजिए.
थैंक यू, चिकी!



अहा ! कितने ताज़े है ये फूल !
भभभभ!!
अरे ? यह मधुमक्खी फिर आ गयी ? बड़ी जिद्दी है ? यह इन फूलों पर बड़ी देर से मंडरा रही है.
आज मिनिस्टर साहब हमारे स्कूल आ रहे हैं. क्या उनके स्वागत के लिए सारा बंदोबस्त हो गया ?
सिर्फ उनको भेंट करने के लिए गुलदस्ते का इंतजाम नहीं हो सका.


मैं जाऊं और जल्दी से फूलों का इंतजाम करूं.
उफ़ फ़!! कमबख्त मधुमक्खी मेरा पीछा नहीं छोड़ रही.
भ भ भ
हां, मिस माला ! ताज़े फूलों का एक गुलदस्ता ही हमें चाहिए था.
मगर सर !


बात सुनने का टाइम नहीं है मिनिस्टर साहब के स्वागत के लिए मुझे गेट पर उपस्थित रहना चाहिए.
मममम!!
मिनिस्टर साहब आ गये.
स्वागत है, श्रीमान् !
कितने प्यारे है ये फूल !
म म म म !!


चल हट, शैतान मक्खी!
मिनिस्टर साहब ने मधुमक्खी को मारकर अच्छा नहीं किया. जख्मी मधुमक्खी बदले पर उतारू हो जाती है.
ममम्रम!!
आईईई!
मिनिस्टर साहब पार्लियामेंट के चुनावों में भी इतना नहीं भागे होंगे.


मुफ़्त की टोपी
कहा कहा से सीयोगे इसे ? तुम्हारी टोपी काफी पुरानी हो गयी है. फेंको इसे कूड़े में और एक नयी खरीद लो.
भागवान ! तुम हमेशा खर्चे की बात करती हो नयी टोपी दस रुपये से कम की नहीं आयेगी, जबकि मैं पुरानी को ही टांके लगाकर दो-चार साल चला लूंगा.
भपटजी!
यह पिंकी की आवाज है. यह मुसीबत कहां से आ टपकी?
© PRAN'S FEATURES


बताइए मेरे हाथ में क्या है?
मेंढक या बिच्छू, जिस से तुम मुझे परेशान करोगी
नहीं, मैं आपके लिए टोपी लायी हूं. आपको फटी पुरानी टोपी पहने मुझसे देखा नहीं जाता था.
कितने की है, यह?
मुफ़्त!
ऊंह... मुफ्त में तो आजकल गालियां भी नहीं मिलती.


मैं सच कहती हूं. मेरे चाचा इसे कैलीफोर्निया से लाये हैं.
तब तुम इसके बदले में मुझसे कोई काम कराओगी?
बिल्कुल नहीं.
अगर ऐसी बात है, तो मैं इसे कबूल करता हूं.
भागवान ! यह टोपी मेरे सिर पर कैसी लगती है ?
जैसे कौवे ने मोर की कलगी लगा ली हो.


क्यों ? क्या मैं इतना बदसूरत हूं कि हैट नहीं पहन सकता ?
यह बात नहीं है. कुर्ते पायजामे पर क्या किसी ने हैट लगाया है ?
एक नया कोट-पैंट खरीद लो. उस पर यह हैट खूब जचेगा.
नये कोट-पैंट के साथ यह टूटी चप्पल नहीं चलेगी. एक जोड़ी नये बूट और नेकटाई भी खरीदनी होगी
तब मैं भी जाकर ब्यूटी पार्लर से बॉब कट बाल करवाऊंगी और फेस लिफ्ट करवाऊंगी.


दो-चार नयी साड़ियां और ज्वैलरी भी खरीदनी होगी.
अप-टू-डेट, पति-पत्नी पैदल चलते अच्छे नहीं लगते. एक कार खरीद लेना.
लेकिन मुझे कार ड्राइविंग नहीं आती.
कोई बात नहीं. एक ड्राइवर रख लेंगे. सिर्फ एक हजार रुपया महीना तनख्वाह ही तो लेगा.
लेकिन कार रखेंगे कहां? हमारा मकान छोटा है.


अरे, तब इस घटिया मकान में कौन रहेगा? एक नया आलीशान बंगला खरीदेंगे, जिसमें कार रखने के लिए अलग गैरेज होगा.
पिंकी! नयी टोपी ले जाओ. यह बहुत महंगी है. मैं अपनी फटी पुरानी टोपी से ही काम चला लूंगा.